न्यूज ब्रीफ

अवैध जल पंपिंग पर प्रशासन की कार्रवाई, तालाब से दो मोटर पंप हटवाए



मनासा। जिले में जल स्रोतों से अवैध रूप से पानी की पंपिंग रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निगरानी एवं जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत अरविंद डामोर सीईओ जनपद पंचायत मनासा ने ग्राम पंचायत हनुमंत्या के ग्राम महेशपुरिया में आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान तालाब से बिना अनुमति के पानी खींचते हुए दो मोटर पंप संचालित पाए गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीईओ ने ग्राम पंचायत सचिव एवं सहायक सचिव को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पंचायत की टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों मोटर पंप हटवाए और तालाब से की जा रही अवैध जल पंपिंग बंद करवाई। उल्लेखनीय है कि जिले में जल स्रोतों के अनधिकृत उपयोग पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार निरीक्षण कर बिना अनुमति मोटर पंप संचालित करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण करना और पानी का उपयोग नियमानुसार सुनिश्चित करना है।



नर्मदा पंचकोशी यात्रा के तहत रविवार को हजारों श्रद्धालुओं का बड़वाह नगर में आगमन

बड़वाह (निप्र)। लघु नर्मदा पंचकोशी यात्रा के तहत रविवार को हजारों श्रद्धालुओं का बड़वाह नगर में आगमन हुआ। शनिवार और रविवार को मिलाकर करीब 30 हजार श्रद्धालु नर्मदा पार कर बड़वाह पहुंचे। इनमें लगभग 22 हजार श्रद्धालु नावों के माध्यम से टोकसर से सेमरला घाट पहुंचे, जबकि इस वर्ष नवनिर्मित सिक्सलेन कटघड़ा ब्रिज से करीब 8 हजार यात्रियों ने पैदल नर्मदा पार की।

शनिवार को करीब 12 हजार श्रद्धालु बड़वाह पहुंच चुके थे। वहीं रविवार शाम तक 10 हजार अन्य श्रद्धालुओं ने नावों से नर्मदा पार की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण नगर के प्रमुख मार्गों पर दिनभर चहल-पहल रही। कृषि उपज मंडी, पुखराज कॉलोनी, कंवर कॉलोनी, बस स्टेशन और नगर पालिका परिसर सहित विभिन्न स्थानों पर यात्रियों ने विश्राम किया। रविवार को पहुंचे श्रद्धालु रात्रि विश्राम के बाद सोमवार को अगले पड़ाव के लिए रवाना होंगे। वहीं शनिवार को बड़वाह में ठहरे यात्री रविवार को महेश्वरी पहुंच गए। यात्रियों की सेवा के लिए नगरवासियों ने जगह-जगह चाय, नाश्ते, भोजन और पेयजल की व्यवस्था की। वार्ड क्रमांक 9 की महावीर कॉलोनी में महिलाओं ने स्वयं भोजन तैयार कर श्रद्धालुओं को प्रेमपूर्वक परोसा। इस भंडारे में मुस्लिम समाजजनों ने भी सहयोग कर सामाजिक सद्भाव की मिसाल पेश की। यात्रा का संचालन पिछले 50 वर्षों से पंचकोशी यात्रा संचालक मंडल एवं स्काउट गाइड सेवा समिति कर रही है। रविवार को संचालक मंडल के सदस्य ध्वज लेकर भजन-कीर्तन करते हुए कृषि उपज मंडी से नागेश्वर मंदिर होते पहुंचे, जहां वे रात्रि विश्राम करेंगे। श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही से विशेषकर महेश्वर रोड पर यातायात का दबाव रहा। व्यवस्था संभालने के लिए जगह-जगह पुलिसकर्मी तैनात रहे। एसडीएम सत्यनारायण दर्रो, एसडीओपी मुकेश इजारदार, थाना प्रभारी राजेंद्र बर्मन और जनपद सीईओ मुकेश जैन सहित प्रशासनिक अमला सक्रिय रहा। नर्मदा घाटों पर सुरक्षा और आवागमन व्यवस्था के लिए करीब 150 पुलिसकर्मी एवं विभागीय कर्मचारी तैनात रहे।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति पिपलिया, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक/मंडी / नि./26-27/1017 पिपलिया, दिनांक:-19.11.2026

-//निविदा आमंत्रण सूचना //-

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त (एकीकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारो से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदाएँ क्रमांक 2026_MPSAM_550885_1 अंतर्गत ऑनलाईन निविदाएँ दिनांक 23.11.2026 समय 10.30 से दिनांक 14.12.2026 सायं 5:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल http/www.mptenders.gov.in पर प्राप्त होगी, एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल http/www.mpmandiboard.gov.in पर भी अवलोकनीय होगी।

नोट:- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर ही प्रदर्शित किया जावेगा।

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, पिपलिया
जिला-मंदसौर (म.प्र.)

भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मण्डी समिति, पिपलिया
जिला-मंदसौर (म.प्र.)

मनासा विधानसभा को मिली 6 करोड़ की विकास सौगात

चार गांवों को जोड़ेगी डामर सड़कें, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दी सड़कों के निर्माण की स्वीकृति, विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने जताया आभार

मनासा। विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण सड़कों के विस्तार और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने क्षेत्र में लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से चार डामरीकृत सड़कों के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की है।

इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण अंचल के कई गांवों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। लंबे समय से पक्की सड़क की आवश्यकता महसूस कर रहे ग्रामीणों को अब राहत मिलने की उम्मीद है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत चारों सड़कों का निर्माण ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) विभाग के माध्यम से कराया जाएगा। इन सड़कों के निर्माण से गांवों के बीच संपर्क मजबूत होगा तथा ग्रामीणों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से निजात मिलेगी। विशेष रूप से बारिश के दिनों में कच्चे रास्तों के कारण होने वाली दिक्कतों से भी ग्रामीणों को राहत मिलेगी।



इन चार सड़कों को मिली स्वीकृति

मनासा विधानसभा क्षेत्र में जिन चार सड़कों के निर्माण को मंजूरी मिली है, उनमें पहली सड़क भाटखेड़ी से पोखरदा तक बनाई जाएगी, जिसकी लंबाई लगभग 4 किलोमीटर होगी। दूसरी सड़क कुंदवासा से कोरखेड़ी तक बनेगी, जिसकी लंबाई 1.3 किलोमीटर निर्धारित है। इसी तरह तीसरी सड़क गरासियाखेड़ी से दायमाखेड़ी तक लगभग 700 मीटर तथा चौथी सड़क गोगलियाखेड़ी से दायमाखेड़ी तक लगभग 1 किलोमीटर लंबी होगी। इन चारों सड़कों के डामरीकरण पर लगभग 6 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद संबंधित गांवों के ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही किसानों को अपनी कृषि उपज मंडियों तक पहुंचने, विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज आने-जाने तथा मरीजों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचने में भी सुविधा मिलेगी।

हर गांव को पक्की सड़क से जोड़ना लक्ष्य

मनासा विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने सड़कों की स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के साथ-साथ मनासा विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य केवल बड़ी परियोजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है।

विधायक मारू ने कहा कि उनका प्रयास है कि विधानसभा क्षेत्र का प्रत्येक गांव पक्की डामर सड़क से जुड़े और ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े। सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला होती हैं। बेहतर सड़क संपर्क से न केवल आवागमन आसान होता है, बल्कि व्यापार, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को भी गति मिलती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव क्षेत्र के विकास को लेकर लगातार सकारात्मक निर्णय ले रहे हैं और समय-समय पर विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान कर रहे हैं। चार नई सड़कों की स्वीकृति भी इसी विकासोन्मुखी सोच का परिणाम है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। चारों सड़कों के निर्माण से मनासा विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन का नेटवर्क मजबूत होगा। गांवों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलेगा। किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम नागरिकों के लिए ये सड़कें सुविधाजनक साबित होंगी। प्रदेश सरकार की इस स्वीकृति को मनासा विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण आधारभूत ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। अब ग्रामीणों को निर्माण कार्य शुरू होने और जल्द से जल्द इन सड़कों का लाभ मिलने की उम्मीद है।

विधायक मारू ने बच्चों को पिलाई पोलियो की दो बूंद, मनासा में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

एसडीएम मयूरी जोक और बीएमओ डॉ. साजिद अंसारी ने भी अपनी बेटियों को पिलाई पोलियो की खुराक

मनासा। पल्स पोलियो अभियान का खंड स्तरीय शुभारंभ रविवार को मनासा बस स्टैंड पर उत्साह और जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा से वंचित न रहे। इस अवसर पर एसडीएम श्रीमती मयूरी जोक ने अपनी बेटी को स्वयं पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभिभावकों के सामने जागरूकता का संदेश दिया। वहीं बीएमओ डॉ. साजिद अंसारी ने भी सुबह सिविल हॉस्पिटल मनासा में अपनी बेटी को पोलियो की खुराक पिलाई। उन्होंने विधायक के साथ अभियान का शुभारंभ करते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीमों को अभियान के तीनों दिनों में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। विधायक मारू ने स्वास्थ्य विभाग की टीम का उत्साहवर्धन करते हुए अभियान को सफल बनाने में सभी की सहभागिता को जरूरी बताया। एसडीएम मयूरी जोक ने प्रशासन की ओर से अभियान के सुचारू संचालन के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय और सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अभिभावकों से अपील की कि पांच वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। अभियान का उद्देश्य एक भी बच्चे को पोलियो की दवा से वंचित नहीं रहने देना है। कार्यक्रम में दो बूंद जिंदगी की का संदेश देते हुए आमजन से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया।



ओंकारेश्वर में मानवता की मिसालः हिम्मतपुर, गुजरात से आए 60 दिव्यांग भक्तों को कर्मचारियों ने व्हीलचेयर से कराए दर्शन

ओंकारेश्वर(अक्षत दुबे)। ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर ट्रस्ट में आज भक्ति और सेवा का अनोखा नजारा देखने को मिला। गुजरात के हिम्मतपुर से आए 60 दिव्यांग भक्त - *जिनमें 50 पुरुष और 10 महिलाएं शामिल थीं* - जब मंदिर पहुंचे, तो मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारियों ने उनकी सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी। सभी 60 दिव्यांग भक्तों को *झूला पुल से लेकर मंदिर तक व्हीलचेयर* से लाया गया। कर्मचारियों ने एक-एक भक्त को हाथ पकड़कर, व्हीलचेयर पर बैठाकर, बड़े ही प्रेम और सम्मान के साथ बाबा ओंकारेश्वर के दर्शन करवाए। दर्शन के दौरान कई बुजुर्ग भक्तों की आंखों में खुशी के आंसू आ गए। उन्होंने कहा, 'हमें लगा था हम कभी बाबा के दर्शन नहीं कर पाएंगे, पर यहां के कर्मचारियों ने तो हमें अपने परिवार जैसा प्यार दिया।' मंदिर ट्रस्ट के एक कर्मचारी ने बताया, 'यह हमारी ड्यूटी नहीं, हमारी सेवा है। बाबा के दरबार में सब बराबर हैं। दिव्यांग भक्तों को दर्शन कराना हमारा सौभाग्य है।' दर्शन के बाद सभी भक्तों के लिए प्रसाद और पानी की भी व्यवस्था की गई। पूरे मंदिर परिसर में 'हर हर महादेव' और 'जय ओंकारेश्वर' के जयकारे गूंजते रहे। स्थानीय लोगों ने भी मंदिर ट्रस्ट के इस काम की खूब तारीफ की और कहा कि ऐसी सेवा ही सच्ची भक्ति है।



तीन माह से लापता बस चालक का शव मिलने के बाद जिला अस्पताल में हंगामा

परिजनों ने पीएम के बाद भी शव लेने से किया इंकार, 28 वर्षीय कन्हैयालाल प्रजापत की मौत को लेकर परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, शव के साथ सिर नहीं मिलने से गहराया संदेह, किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द सहित कांग्रेस नेता पहुंचे अस्पताल, आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और एक लाख रुपए आर्थिक सहायता की मांग

पिपलिया स्टेशन (जेपी तेलकार)। नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम रूपणी में तीन माह से लापता बस चालक का सड़ा-गला शव कुएं में मिलने के बाद मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। रविवार को मंदसौर जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी परिजनों ने शव लेने से इंकार कर दिया। परिजनों का कहना है कि कन्हैयालाल की मौत सामान्य नहीं है, बल्कि उसके साथ कोई गंभीर वारदात हुई है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से पहले संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार करने और मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की। शव के साथ सिर नहीं मिलने की बात सामने आने के बाद परिजनों का संदेह और गहरा गया। इसको लेकर जिला अस्पताल में काफी देर तक गहमागहमी बनी रही। सूचना मिलने पर किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द, कांग्रेस नेता सोमिल नाहटा, राजेश रघुवंशी और मुकेश धाकड़ सहित अन्य लोग जिला अस्पताल पहुंचे और परिजनों की मांगों का समर्थन किया। स्थिति को देखते हुए तहसीलदार, सीएसपी सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

22 अगस्त को बस खड़ी कर खाना खाने गया था, फिर नहीं लौटा

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जमुनिया मीणा निवासी 28 वर्षीय कन्हैयालाल पिता रामलाल प्रजापत अपने मामा बद्रीलाल पिता कचरूलाल प्रजापत के यहां रहता था। वह मंदसौर से रामगढ़ के बीच संचालित प्रिंस बस पर चालक के रूप में काम करता था। 22 अगस्त 2026 को बस कंडक्टर विक्रम सिंह ने कन्हैयालाल के मामा को जानकारी दी थी कि कन्हैयालाल ने शाम करीब 7 बजे ग्राम रणायरा में बस खड़ी की थी। इसके बाद वह ग्राम रूपणी स्थित राकेश धनगर के ढाबे पर खाना खाने चला गया था। खाना खाने के बाद वह वापस बस पर नहीं लौटा। काफी देर तक जब कन्हैयालाल का कोई पता नहीं चला तो उसकी तलाश शुरू की गई। मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन मोबाइल बंद मिला। इसके बाद परिजनों और रिश्तेदारों ने आसपास के गांवों तथा परिचितों के यहां तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

परिजनों ने पहले ही जताई थी बंधक बनाकर



रखने की आशंका

काफी तलाश के बाद भी कन्हैयालाल का पता नहीं चलने पर परिजनों ने आशंका जताई थी कि किसी ने उसे बंधक बनाकर किसी अज्ञात स्थान पर रखा हो सकता है। इसके बाद उसके मामा बद्रीलाल 31 अगस्त 2026 को अपने जीजाजी नागूलाल पिता नानूराम निवासी सेमलिया काजी के साथ नाहरगढ़ थाने पहुंचे और गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने अपने स्तर पर भी जानकारी जुटाई और कुछ लोगों पर संदेह होने की बात पुलिस को बताई थी, लेकिन लंबे समय तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई।

कलेक्टर, एसपी को आवेदन देकर भी की थी कार्रवाई की मांग

परिजनों ने मामले में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए 22 सितंबर को मंदसौर कलेक्टर, एसपी को आवेदन भी सौंपा था। आवेदन में आरोप लगाया गया था कि कन्हैयालाल के लापता होने के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज तो कर ली, लेकिन उसकी तलाश और संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। आवेदन में भीमसिंह, जगदीश, श्यामलाल, रणजीतसिंह के नामों का उल्लेख करते हुए उनसे पूछताछ और जांच की मांग की गई थी। परिजनों का कहना है कि यदि समय रहते मामले में गंभीरता से कार्रवाई होती तो शायद कन्हैयालाल के संबंध में पहले ही कोई जानकारी मिल सकती थी।

कुएं में मिला सड़ा-गला शव, सिर नहीं मिलने से बढ़ा संदेह

शनिवार 21 नवंबर को ग्राम रूपणी में ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने एक कुएं से सड़ा-गला शव बरामद किया था। शव दो माह पुराना होने से कंकाल हो चुका था। शव की हालत इतनी खराब थी कि उसकी पहचान करना भी मुश्किल हो रहा था। पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए मंदसौर जिला अस्पताल पहुंचाया। बाद में उसकी पहचान तीन माह से लापता कन्हैयालाल प्रजापत के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार शव के साथ सिर नहीं मिला है। पुलिस और संबंधित लोगों की ओर से तलाश के प्रयास किए जाने के बावजूद सिर नहीं मिलने की बात सामने आई है। शव की स्थिति और सिर नहीं मिलने को लेकर परिजन कई सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक मौत की वास्तविक परिस्थितियों का खुलासा नहीं होता, तब तक मामले को सामान्य मौत मानकर नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

पीएम के बाद भी शव लेने से किया इंकार, अस्पताल में जुटे किसान और कांग्रेस नेता

रविवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिजनों ने शव लेने से मना कर दिया। उनकी मांग थी कि पहले मामले में जिन लोगों के नाम पुलिस को दिए गए हैं, उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाए और मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा किया जाए। इस दौरान किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द अपने समर्थकों के साथ जिला अस्पताल पहुंचे। कांग्रेस नेता सोमिल नाहटा, राजेश रघुवंशी, मुकेश धाकड़ सहित अन्य लोग भी परिजनों के समर्थन में पहुंचे। सभी ने मामले को गंभीर बताते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। अस्पताल परिसर में परिजनों और समर्थकों की मौजूदगी के चलते काफी देर तक गहमागहमी का माहौल रहा। और शव नहीं लिया। शव मंदसौर जिला अस्पताल में ही रखवाया गया है।

तहसीलदार, सीएसपी सहित पुलिस अधिकारी पहुंचे

जिला अस्पताल में स्थिति की जानकारी मिलने पर तहसीलदार, सीएसपी और पुलिस के अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से चर्चा की और मामले में की जा रही कार्रवाई की जानकारी दी।

इस दौरान मृतक के परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए रेडक्रॉस के माध्यम से एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई। परिजनों और समर्थकों का कहना था कि कन्हैयालाल परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। तीन माह तक परिवार उसकी तलाश में भटकता रहा और अब शव मिलने के बाद भी मौत की परिस्थितियां स्पष्ट नहीं हो पाई हैं। ऐसे में परिवार को आर्थिक सहायता के साथ न्याय भी मिलना चाहिए। तीन माह से लापता 28 वर्षीय युवक का शव कुएं में मिलने, शव के साथ सिर नहीं मिलने और परिजनों द्वारा पहले से संदिग्ध व्यक्तियों के नाम पुलिस को दिए जाने जैसे बिंदुओं ने मामले को गंभीर बना दिया है।